

₹.5000

पाँच हजार रुपये

Rs.5000

FIVE THOUSAND RUPEES

GOVERNMENT OF INDIA

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



लोक पत्र का संस्कार विषयाल

1.	गृहीत वर पत्र	:	पत्र
2.	परामर्श	:	मिसनीर
3.	समग्र	:	कम्पन्याट अम्बाली
4.	एवं अन्य वा विशेष जागरूकी गो	:	पुस्ति लकड़ा लकड़ा-गो
5.	वापर वा उपकरण	:	हिन्दूप्रेस
6.	प्रियों जनाई वा जागरूक	:	प्र.वाच ट्रिप्पेटर
7.	राजनीति वा प्रकार	:	कृषि
8.	वैद्यी वा कृषकाल	:	वही
9.	शोला/मुद्रा/प्रेस्य	:	वही
10.	प्रतिवेदन वा वर्णनार्थी	:	लख 30,240/-
11.	परिवार	:	लख 1,36,000/-
12.	जून	:	लख 19,650/-



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

B 411017

- 2 -

चौलहा

क्रमसंख्या ८१

गढ़व	: असना संक्षेपा-०६
परिवाप	: असना संक्षेपा-१७
ठत्तर	: असना संक्षेपा-३०
दालिंग	: असना संक्षेपा-३२

प्रथम पक्ष की संक्षेपा-०२

द्वितीय पक्ष की संक्षेपा-०।

विक्रीतागण का विवरण

(1) राम बबाल व (2) अमाली
लाल, पुत्रगण इम्बा, निवारभिल
-माम छोटानपुर लंबेली,
परगना-विजनीर, तहसील व
गिला लखनऊ।
व्यवसाय - कृषि

प्रोता का विवरण

बीरेन्द्र कुमार यर्गा पुत्र श्री
राम विक्रान यर्गा निवासी-
एल-१/१११, बिन्दा सड़क,
गोपती नगर, लखनऊ।

व्यवसाय - कृषि

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

३ -

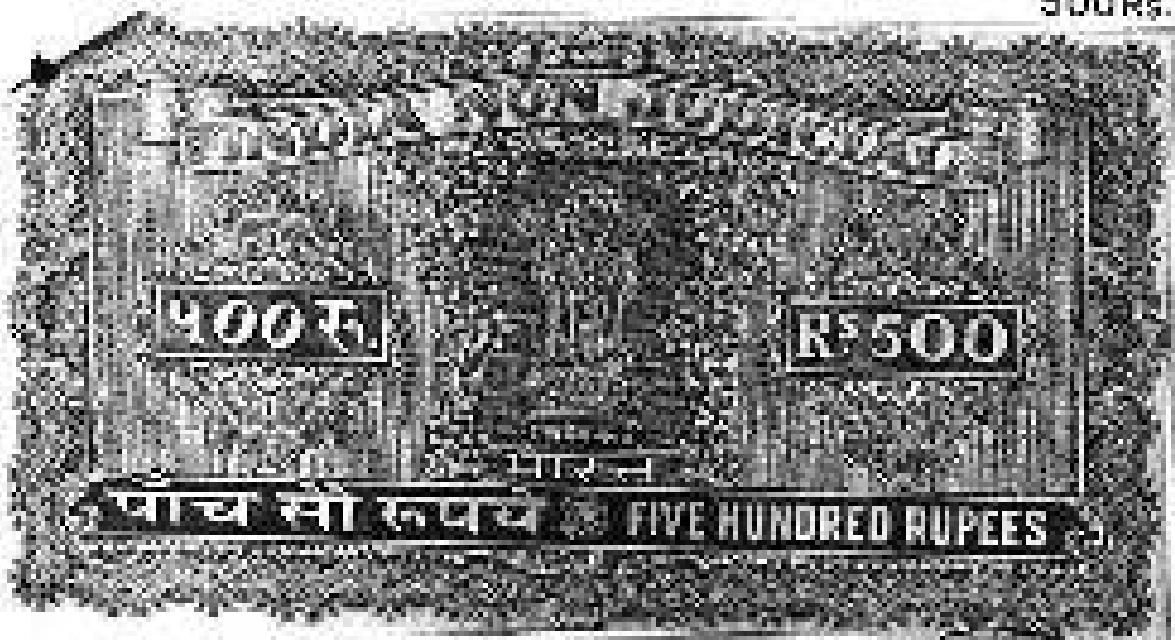
विक्रम विलेस्य

यह विक्रम विलेस्य (1) राम दयाल व (2) अशोकी लाल, पुस्तक
शाखा, निवासीगण -ग्राम हलनपुर लेवली, पटगढ़ा-बिजनौर,
बहरील व जिला लखनऊ जिले आगे विक्रमामान छहा गया है,
एवं बीरेन्द्र कुमार वर्षा पुत्र श्री राम विक्रम वर्मा निवासी-
कल-१/११। विक्रम खण्ड, गोगती नगर, लखनऊ जिले आगे
छहा गया है, के मध्य विचारित विला गया।

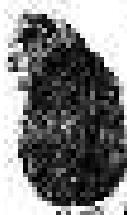


यह लो विक्रेतागम गुरि अवला शाही-का उक्ता दरमा ०.१६
ऐफेन्टर, लिया-चाक- हसनाहुत जैली, परगाम- फिल्हीट,
तालीम व विद्या अवलाहुत, के मालिम, गांधीजी पर वर्णन हैं ये।
अद्यतेपर सत्त्वापित अद्याविक रुपाता रुपारी अप ताला ००२३२
से प्रभुजाए अल गुरि विक्रेतागम ए नाम एव अप्सर छाप्द
गालव आगेजोलों में हो गक है, असर भूमि विक्रेतागम ओ
विक्रेता गे गिरी है विक्रेतागम अणा रम्भून छिरता उपने पृष्ठे
होको इमारा में विक्रेता विक्रेता और विक्रेतागम या रुपारी है, जैसा कि

500Rs.



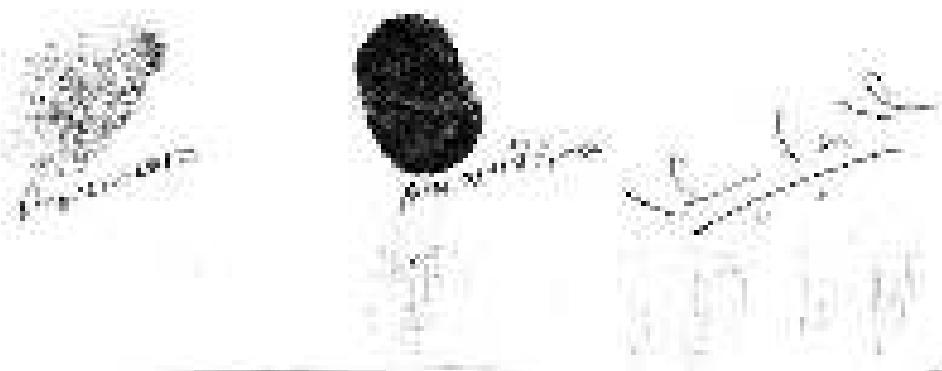
इस चिन्हाद्य विलेख द्वारा लिखा गया है विश्वेतामण उपरोक्त
जनरल अमीर के भासिक, आधिकारिक कार्यालय है एवं वर्तमान राष्ट्र में
उत्तम प्रभाव अद्भुत है, और यह कि विश्वेतामण इस द्वेषित
दलाल है कि उपरोक्त जनरल अमीर सभी प्रगति के बाहर से सुखा
एवं चमत्कार गत रूप है तथा विश्वेतामण ने यह इस चिन्हाद्य को पूर्ण
प्रशंसनी अवधि दी तथा उत्तम लोही भासा विश्वी न्यायाधारा एवं सरकारी
परिवर्ती को अद्वितीय विवाद वा व्यक्ति विवाद नहीं है, न यी युक्ति

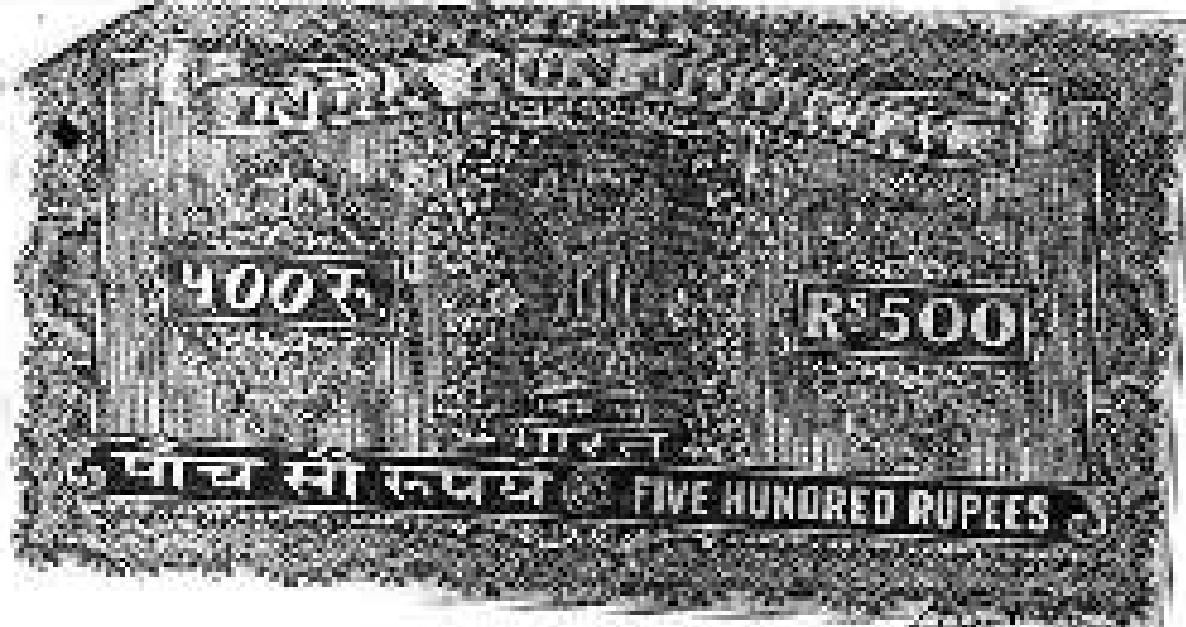




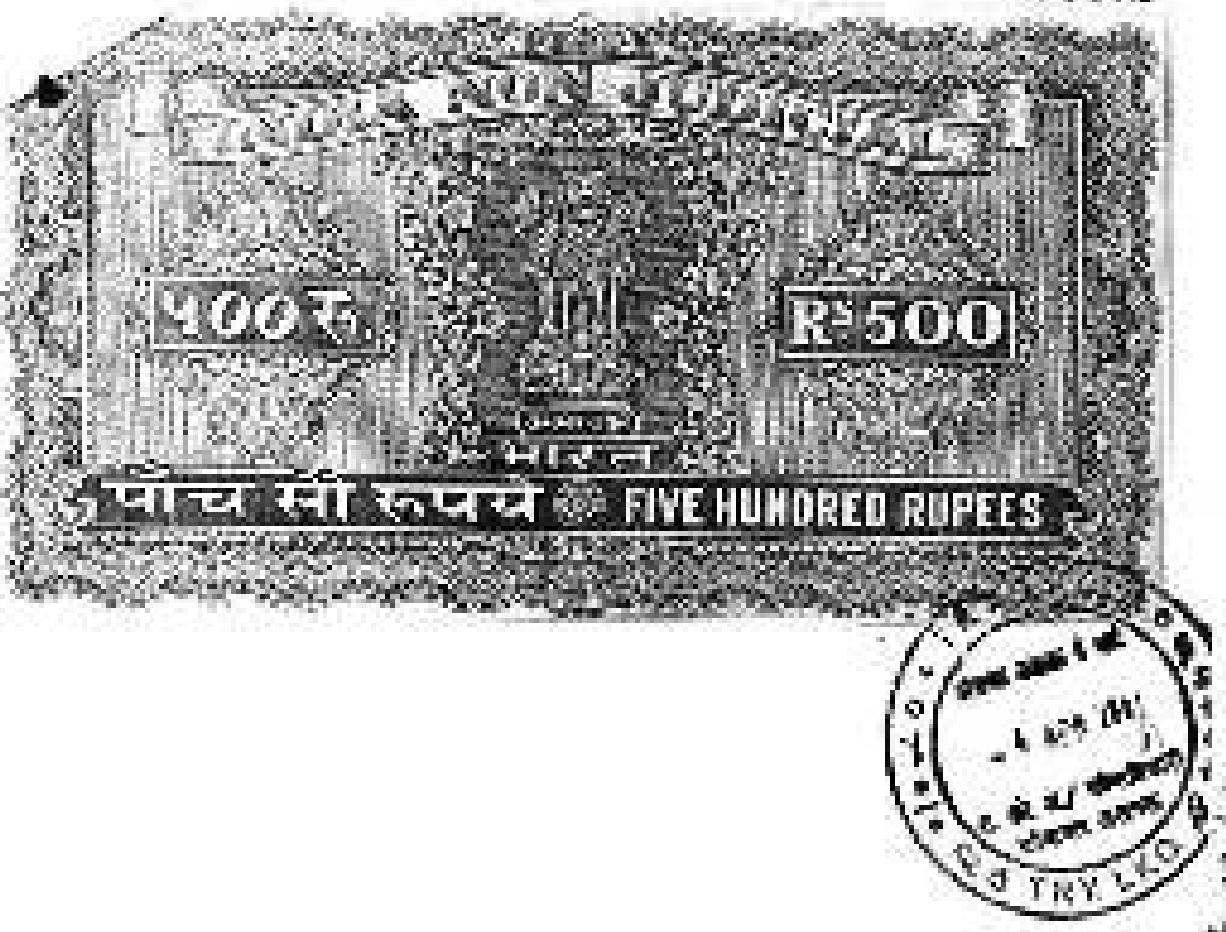
- 6 -

इतनाहि है। शिल्पाभाग के अतामा उन्न ग्रूप में बिन्दी वाच्य घाँटित का स्थान, हफ्फ या दाढ़ इत्यादि नहीं है, एवं शिल्पाभाग को उसके लिंगात्मक अवस्था करने का पूर्ण अधिकार राष्ट्र है। अतामा उपरोक्त साजनी के एकत्वलय रु 30,243/- लिखा गीज़ छार दो सौ बालिस चाल) के प्रतिपत्ति में जिसका कि अदीवा क्षेत्र द्वारा शिल्पाभाग के इस विशेष के अन्त में दी गई अनुमति ने विधिंशि को अनुमान मुण्डान बन दिया रखा है एवं जिसकी प्राप्ति को शिल्पाभाग कर्त्ता दीक्षाद बन्दा है, तदनुसार अन्त





विक्रेतागण उक्त लंबा के हाथ उपरोक्त बारीं मुझे, जिसका विवरण इस विक्रेता विवर को अन्त में अनुसूची के अन्तर्गत दिया जाता है, परे वक्तव्य वर्ष दिया है। एवं विक्रेतागण ने निम्नलिखित मुद्रि-
या दीक्षा पर वाचा श्रव्या औ अस्तु वाचा दिया गया है। अब उक्त वाचागी एवं विक्रेतागण तथा उसके बाहरितान का काहि अधिकार नहीं है। विक्रेतागण ने विक्रेतागण सम्पत्ति वह अग्रण स्थापित के समर्त अधिकारी के साथ पूर्णतया व विवेका के लिए लंबा जो उत्तमान्वयि भट दिया है। अब वक्ता विक्रेतागण साधित एवं उक्तके



६

प्रत्येक भाग को अपने एकमात्र स्थानिक व अधिकारी ज कर्ता में
सम्मिलि को रूप ने धारण एवं उच्चांग व उच्चमान करते हैं।
विशेषज्ञता अपने विद्यो प्रबाहर की अद्भुत वासा नहीं आज सड़ी
हर तरही कोई योग यह सम्भव है। और जैसे विश्वासुदा सम्पत्ति
अवश्य कोहे भाग विशेषज्ञता की स्थानिक में त्रुटि के जाहाज या
कानूनी अद्वेष या उत्ताही त्रुटि के जाहाज छोड़ा या ठंडकों
वारिद्वारा विशेषज्ञता हान्ताहि के बनते ही आधिकारी या रूपाल ले
नियम लाते ही ब्रेंडा ठंडकों वारिद्वारा, विशेषज्ञता हान्ताहि ज्ञो



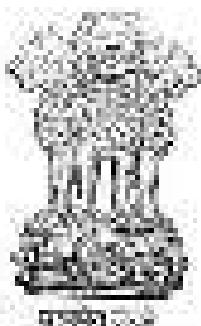
भारतीय ग्रेर न्यायिक

एक सौ रुपये

Rs. 100

₹. 100

ONE
HUNDRED RUPEES.



भारत INDIA
INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

G 220497



यह हक्क होगा कि यह अपना संग्रह नुकसान ग्रेर न्यायिक व्यवस्था की बल, अगल जापाल से जरिये अद्वितीय बोटुंग बाट ले। उठा दिया मैं विक्रेतागण एवं उनके वातिरान इसी द लावा देन हेतु आया होगा।

यह कि छोटा विक्रेतागण सापलि वी दालिल खालिल टांगटव आग्नेष्ठों में आपने नाम हजाँ बाटा नै तो विक्रेतागण को कोई जापालि न होनी और बह कि इस विक्रेता विलेच्च के पूर्व बा अगर कोई ब्यागा फिरी ताढ़ का भार इस सम्पत्ति पर होगा तो



उत्तराखण्ड विक्रेतागण मुख्यालय ने बहु कोर्ट, विक्रेतागण यो कोहू
आपली नवी ठोणी।

यहाँ कि उपरोक्त अस्ति नम्रत आम हस्तग्रुह लोगली
आपनागटीच अंत्र के विशिष्ट आम को अस्तार्गत आता है हस्तलिप
नियारित लद्धिक्षेत्र रुप 13,75,000/- नाति हेवटेचर नियारित
है पद्धत्यु विक्रीत भूमि 5 लिंगा से कम है अतः आपात्तीच दर रुप
1100/- नाति वर्गभौतर ले हिसाब से विक्रीत भूमि 0.016 हेक्टेअर
यानि 160 वर्गभौतर नाति मालिङ्गा रुप 1,76,000/- होता है, घुणि
लिंगा गृह्य, गृहि की बाजारा मूल्य से कम है हस्तलिप
नियमानुसार गालिङ्गन पट ही रुप 17,600/- लगात्ता द्वायप अदा
किया जा रख्य है। रुप कि उपरोक्त विक्रीत भूमि कृषि के उपयोग
के लिए इत्य वसी जा रही है। इस भूमि पै योद्द वेळ, चूड़ी,
गालाब, व निमाण आदि नहीं है, तथा 200 गौड़ के अधिकास मे
कोहू निर्माण नहीं है विक्रीत भूमि किंतु लिंग आगि, दालामार्ग व
जनपदीय पक्का पट स्थित नहीं है। विक्रीत गृहि राहीब पश्च से
लगायग एक किलोभौतर से अधिक दृढ़ी पट स्थित है। विक्रेतागण

• 24.0.0.1 176.0.0.1

५८४ विष्णु विष्णव
ते अपि न देव
ये च एवं एव
देव एव
न एव
न एव
न एव
न एव
न एव
न एव

207

328

II - 1,000,000 - 2000

10

विद्यार्थी निष्ठा वाचने के लिए अपने जीवन का उत्तम प्रयत्न करें।

ਕੁਝ ਸੀਮਾ ਰਾਸ਼ਟਰ
ਪ੍ਰਦਾਨੀ ਵੀ ਹੈ।

पांडिती यत्तरी
पुष्पपत्ती ती आमा
कोला कुदि
विकारी इन्द्रियां जै नामे लक्ष्मा-



1

ਅੰਮਰ ਮੈਂਦੁਆਲ ਕਾਨੀ -
ਜਾਗੇਂਦਰ ਦੀ ਸਾਡਿਆਲ ਕਾਨੀ -
ਮਿਠੀ ਕਾਨੀ
ਪਾਣੀ ਕਾਨੀ - ਪਾਣੀ ਵੇਖਾ ਕਾਨੀ - ਪਾਣੀ



एवं झेता दोनों प्रमुख नियमों वाली के सदस्य हैं। इस विकाय निलेट्ट
के निवायन का समर्थन यथ केता द्वारा बहुत किया गया है।

लिहाजा घट नियाय विलेट्ट निकेतागण ने झेता के पक्ष में
लिख दिया ताकि सम्भव रहे श्रीट आवश्यकता पड़ने पर वास
आये।

परिसिवर : पिक्टन विकायाधुदा सम्बिला का विवरण

भूमि उत्तरा संख्या-३८ रुपया रकमा ०.०१६ हेक्टेएर,
सिल्ला-गाम-हरनपुर लोकली, परगना-किरनीर, तालुक व
जिला लखनऊ

परिसिवर : भूगतान विवरण

दिक्षेतागण ने रु. 30,240/- (रूपया तीस हजार वी सी
यालिंदा भाज) द्वारा येका संख्या- ५७६३८, ५१६३६५
दिनांक ०७.०४.२००७ फारब नेशनल बैंक, शास्त्रा
इकायतागण, लखनऊ, झेता से प्राप्त किये।

१ विषय संक्षेप लिखा।

विषय कानून का विवर

का ए प्रत्येक लिखा

दो विवर

तीव्री आवश्यक विवर

२ ती विवर दो विवर

का ए विवर विवर

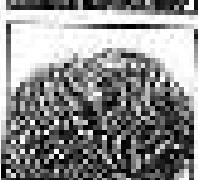
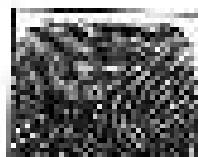
दो विवर

तीव्री विवर विवर विवर विवर विवर

दो विवर।

विवर का उल्लेख के विवर ग्रन्थ विवर का लिखा है।

विवर का उल्लेख



क.स. शुल्क
उप विवरक (प्रथम)
संस्करण
०५.२००७

इस महार यक्त विक्रय कूल्य रु. 30,240/- (तृप्ता तीका
द्वारा दो चौ घासिता भाज) विक्रीतागण ने शेषा प्राप्त विक्रे तथा
जिसकी प्राप्ति विक्रीतागण स्वीकार करता है।

नोट : युल टॉल्ड्या-३। यह वेक टॉल्ड्या ऐन से लिखी है।

लाभगत

दिनांक: ०७.०४.२००७

गवाह

१. श्री रमेश बहादुर नाथ

पु.

मासिक अधिकारी विक्रीतागण
निम्नलिखित प्राप्ति का लिखा अनुमति

विक्रीतागण

संता

२. श्री अमर शुभेंदु लिल विक्रीतागण
दिनांक: ०५/०५/०८

लाभगत

दावपत्री

(राम लालेहा)

लिखित कोर्ट, लालनक

महाविद्यालयी



(ट्रैच्यर अन्वर तुसीन)

प्रधानकर्ता

ନିମ୍ନଲିଖିତ

ପରେଶାଳୀନ ନଂ ୧୫୩

ତାରିଖ: ୧୯୯୭

ପରେଶାଳୀନ ନଂ ୧

କ୍ଷେତ୍ର ନାମ:

ଗୁଣ

କ୍ଷେତ୍ର ନାମ:

ଗୁଣ



୦୧୦୨ ନାମ:

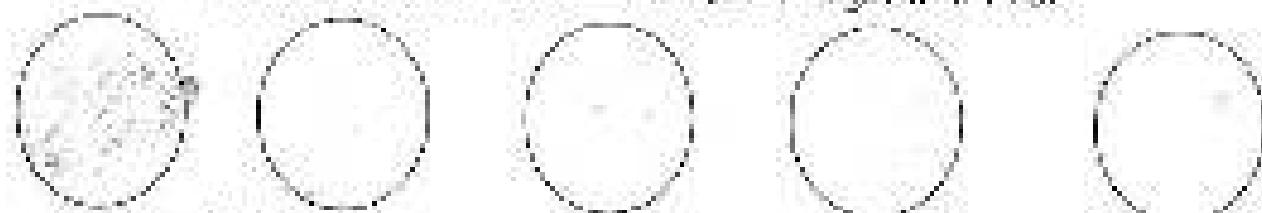
ଗୁଣ

କ୍ଷେତ୍ର ନାମ:

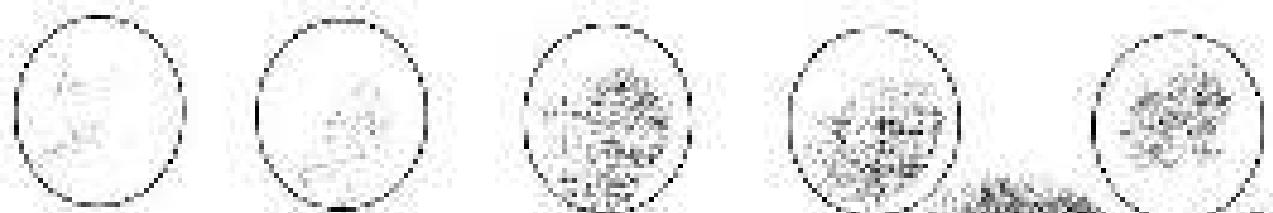
ଗୁଣ



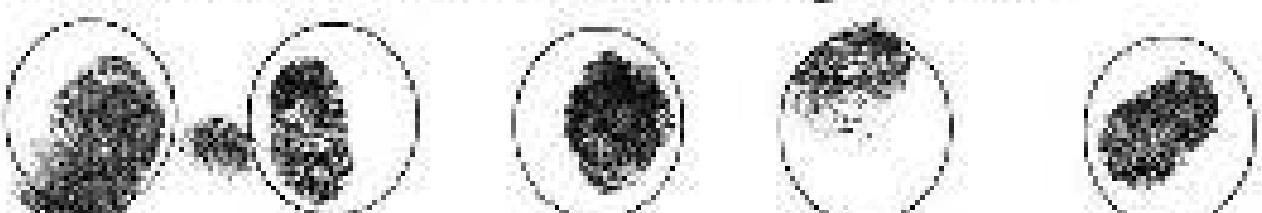
ट्रिनिटी-रोटर अधिनियम-1908 नं. धारा 32-ए, के अनुपालन हेतु प्रिंटर्स फ़िल्म।
प्रस्तुतकर्ता/ग्रहीता का नाम व पता:- राज दयाल युव राजा, शिवारी-धाम राजपुर झजली,
पटना-बिहार, भारतीय राजसा उच्चालय वाले हाथ के अंगूष्ठियों के लिए:-



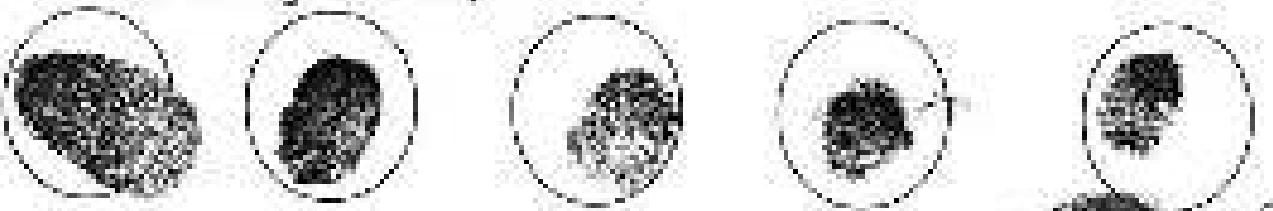
दालीने हाथ के अंगूष्ठियों के लिए:-



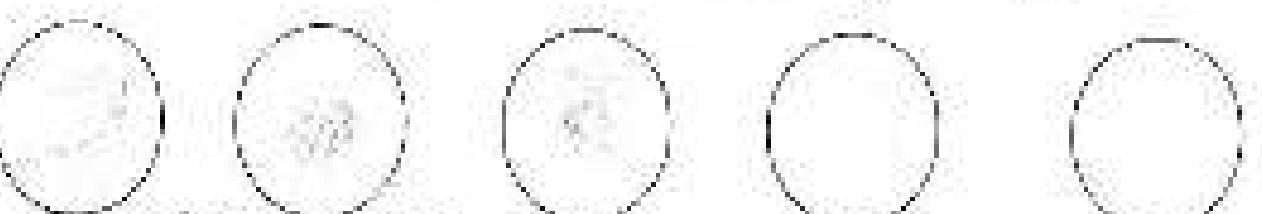
प्रस्तुतकर्ता/ग्रहीता का नाम व पता:- अशवी लाल, युव राजा, शिवारी-धाम राजपुर झजली,
पटना-बिहार, भारतीय राजसा उच्चालय के वाले हाथ के अंगूष्ठियों के लिए:-



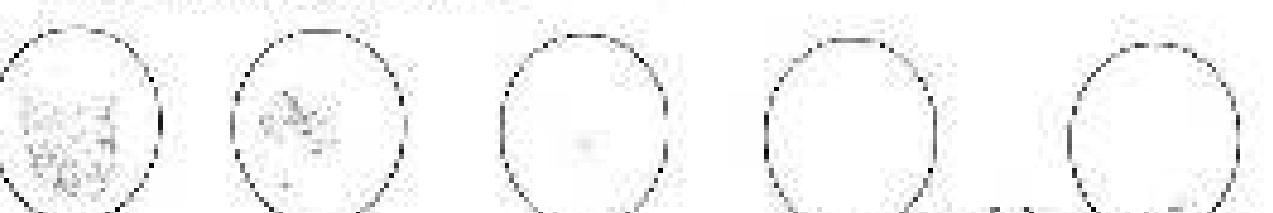
दालीने हाथ के अंगूष्ठियों के लिए:-



प्रस्तुतकर्ता/ग्रहीता का नाम व पता:- बीमें युवार करां बुज ली गम विकारी-वारी शिवारी-
जल-पटा, भित्र राज्य, गोपीनाथ, लखनऊ के वाले हाथ के अंगूष्ठियों के लिए:-



दालीने हाथ के अंगूष्ठियों के लिए:-



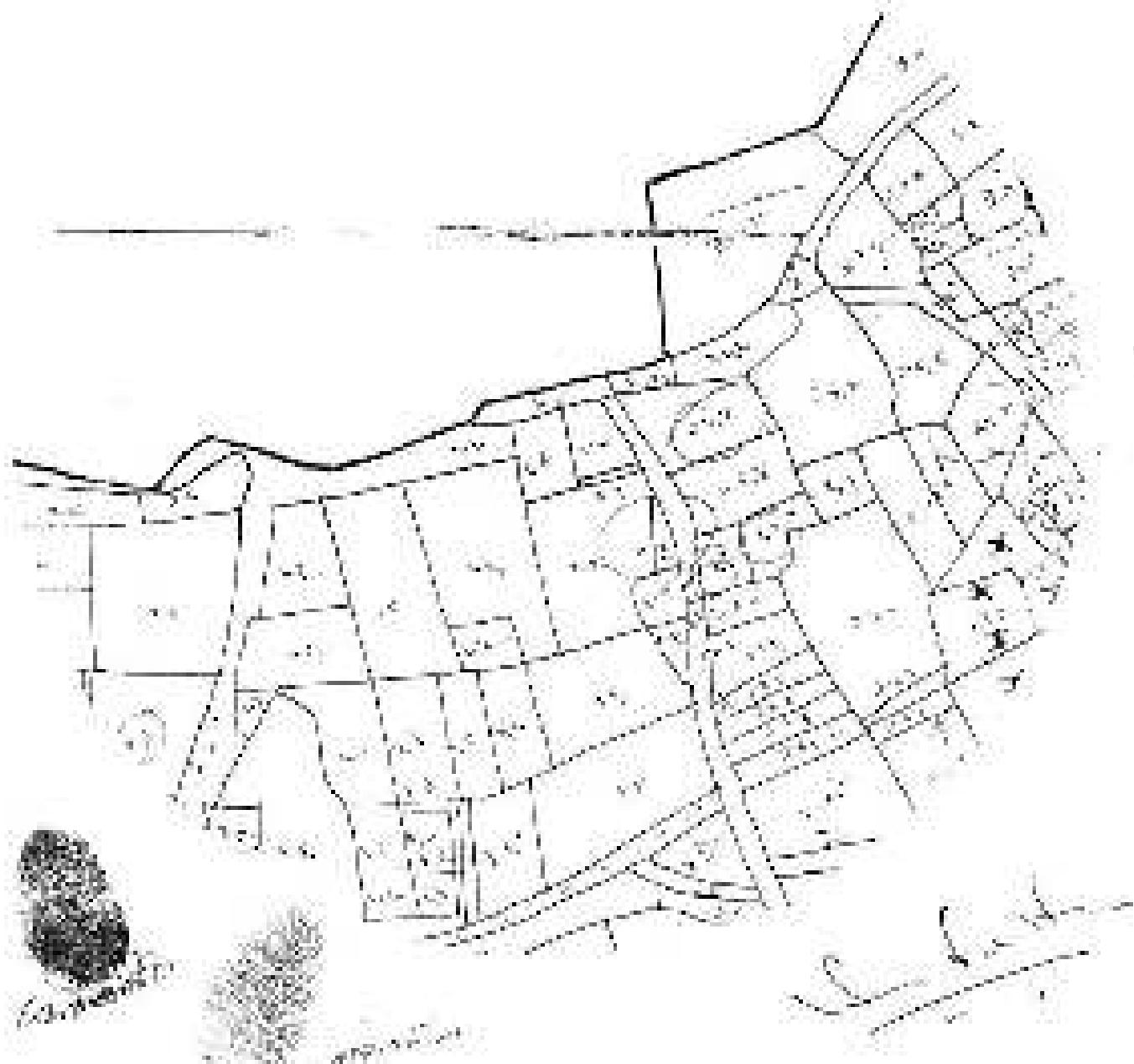
प्रस्तुतकर्ता/ग्रहीता के लिए-



नवद्या नगरी

नाम :	बोल्डर लैंड
संक्षिप्त लकड़ा—	८५
प्रेस्ट्री	शहर ग्रामीण
त्रिका :	विद्युत व्युक्ति से

विकसित समाज के निकट रिहाय लग्न राष्ट्रियता या जिवन



प्राप्त निवास ०७/०४/२००१ औ

वर्ष में १ तक से ३२६०

गुण में ३५९ (०) ३८६ एवं लागत ३६६२

समिलन किया गया।

कृष्ण शुभ्रा —

ज्ञान निवास (प्रधान)

हाजारी

२००२००१